विकसित उप्र-2047 का विजन डाक्यूमेंट तैयार करेगी सरकार

विजन डाक्यूमेंट बनाने में नीति आयोग करेगा प्रदेश की मदद

हेमंत श्रीवास्तव • जागरण

लखनऊ : प्रदेश सरकार विकसित उत्तर प्रदेश-2047 का विजन डाक्यूमेंट तैयार करने जा रही है। इस डाक्यूमेंट में वर्ष 2047 तक राज्य को विकास के शीर्ष मानकों तक पहुंचाने का लक्ष्य हासिल करने का रोडमैप होगा। विकसित उप्र के विजन का खाका खींचने में नीति आयोग से राज्य सरकार को मदद मिलेगी। तय किया जाएगा कि राज्य का विकास कैसे और तेज किया जाए।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डालर तक पहुंचाने में जुटी प्रदेश सरकार अब केंद्र सरकार के विकसित भारत-2047 की तर्ज पर विकसित उप्र-2047 का विजन डाक्यूटमेंट तैयार करने में जुटी है। नियोजन विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार के मुताबिक बीती 16 जुलाई को नीति आयोग की टीम के साथ हुई बैठक में प्रदेश का विजन डाक्यूमेंट तैयार करने पर चर्चा की गई। नीति आयोग ने इसमें राज्य की पूरी मदद करने का आश्वासन दिया है।

इसके लिए 15 अगस्त के बाद नीति आयोग के सहयोग से प्रदेश में कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। विभिन्न विभागों से विकास कार्यक्रमों की कार्ययोजना तैयार कराई जाएंगी।

समावेशी विकास पर केंद्रित होगा विकास का रोडमैप

इन क्षेत्रों पर विशेष फोकस

विजन डाक्यूमेंट में ग्राम्य विकास, अवस्थापना, औद्योगिक विकास, सामाजिक सुरक्षा, कृषि उत्पाद, राजस्व, शहरी विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, गृह तथा समाज कल्याण जैसे क्षेत्रों पर विशेष फोकस होगा। इसमें कुछ अन्य बिंदु भी जोड़े जाएंगे। विजन डाक्यूमेंट का लक्ष्य व कार्ययोजना अगले छह महीने में तय कर दिए जाने की तैयारी है।

गुजरात, ओडिशा और आंध्रप्रदेश किया तैयार : गौरतलब है कि विकसित भारत-2047 का विजन डाक्यूमेंट तैयार कराने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यों से भी ऐसा करने का आग्रह किया था। इसके बाद गुजरात, ओडिशा और आंध्रप्रदेश ने अपना विजन डाक्यूमेंट तैयार कर लिया है। इस कड़ी में अब उत्तर प्रदेश का नाम भी जल्द जुड़ेगा।

विकसित उप्र विजन डाक्यूमेंट को महिलाओं, युवाओं, किसानों और वंचितों के समावेशी विकास पर केंद्रित किया जाएगा। विकसित उप्र-2047 विजन डाक्यूमेंट राज्य को आत्मनिर्भर और समृद्ध अर्थव्यवस्था में बदलने के लिए सरकार का विजन होगा। आर्थिक विकास, तकनीकी उन्नयन, बुनियादी ढांचे का विकास, सामाजिक सशक्तीकरण और स्थिरता इसके मानदंड होंगे।

शून्य गरीबी, अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा, उत्तम खेती, उच्च गुणवत्ता वाली किफायती और व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं, रोजगार के साथ सौ प्रतिशत कुशल श्रमिक, आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की अधिक भूमिका जैसे मानदंड डाक्यूमेंट में शामिल किए जाएंगे। रणनीति बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, सामाजिक कल्याण योजनाओं का विस्तार करने, आर्थिक विकास को गति देने, सतत् विकास को बढ़ावा देने तथा जीवनयापन और व्यवसाय करने में सुगमता को बढ़ाने पर केंद्रित होगी।